VISION IAS

13 DEC 2021

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1515)

Name of Candidate	Devesh Parashar.		
Medium Eng./Hindi	Hindi Medium	Registration Number	520497
Center	Mukherjee Nagar (MN).	Date	13/12/2021

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Explain the meaning of off-budget borrowings and its role in helping the government raise funds for various expenditures. Also, comment on its desirability. **(150 words) 10**

बजटेतर उधारी (ऑफ-बजट बॉरोइंग्स) का अर्थ स्पष्ट कीजिए और विभिन्न व्ययों के लिए धन जुटाने में सरकार की सहायता करने में इसकी भूमिका का उल्लेख कीजिए। साथ ही, इसकी वांछनीयता पर टिप्पणी कीजिए।

बजटेतर उधारी का आशय है सरकार द्वारा अपने व्यय की पूर्ति ऐसे संसाधनों से करना जिसका बजट में कोई उल्लेख नहीं होता है। अर्थात इसमें बजटीय प्रतिबद्धताएं शामिल नहीं होती है।

जैसे- सरकार द्वारा नेशनल स्मॉल सेविंग फंड से पैसे लेना

इसकी सहायक भूमिका-

(i) सरकार को अपने व्यय समायोजन में सुविधा प्रदान करना।

(ii) बिना ऋण के दबाव के वित्तपोषण की सुविधा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) आवश्यक कार्यों की पूर्ति हेतु जैसे FCI के वित्तीयन में महत्वपूर्ण भूमिका आदि।

हालांकि इससे निम्नलिखित मुद्दे भी उभरते हैं -

- बजटेतर साधनों पर जवाबदेहिता का न होना।
- लोक वित्त का और जिम्मेदारान अभाव।
- यह अंततः सामाजिक खाई जैसी समस्याओं को जन्म देता है।
- बजटीय सीमाओं को ओवरराइड करने का माध्यम बन सकता है।

हालांकि वर्तमान मंदी के दौर में यह एक विकल्प हो सकता है लेकिन इसे प्रवृत्ति नहीं बनाना चाहिए।

इसीलिए सरकार ने FCI के संदर्भ में बजटेतर उधारी को कम किया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. It is argued that genetically modified food crops are required to ensure food security of India. Examine in view of concerns regarding introduction of GM crops. **(150 words) 10**

यह तर्क दिया जाता है कि भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित खाद्य फसलों की आवश्यकता है। जी.एम. फसलों की शुरूआत से संबंधित चिंताओं के आलोक में परीक्षण कीजिए।

GM फसलें आनुवांशिक रूप से संशोधित ऐसी फसलें है जिनमें वांछित जीन जोड़कर या हटाकर उनकी उत्पादकता व उपादेयता को बढ़ाया जाता है जैसे - Bt-कॉटन, Bt-बैंगन

खाद्य सुरक्षा में इनकी भूमिका

- उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि
- कणिका पोषण
- जलवायु सुभेद्यरोधी फसलें
- फसल रोगों से बचाव
- कुपोषण जैसी चुनौतियों से निपटना

GM फसलों की शुरूआत से संबंधित चिंताऐं -

(i) पर्यावरणीय - प्राकृतिक संतुलन को प्रभावित

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- आनुवांशिक संदूषण की समस्या
- स्थानीय जैव एवं फसल विविधता को खतरा।

(ii) व्यावसायिक
- केवल बड़े किसानों हेतु ही लाभकारी
- छोटे किसान उत्पादक बीज कंपनियों पर निर्भर हो जाएंगे।
- छोटी जोतों में लाभकारी नहीं।

(iii) अन्य –
- मानव स्वास्थ्य संबंधी चिंता
- कृषि में आवश्यक प्रभाव
- जैविक कृषि (Bt बैंगन)

हालांकि वर्तमान जलवायु परिवर्तन के दौर में GM फसल खाद्य सुरक्षा एवं कृषि विकास हेतु लाभकारी हो सकती है।
अर्जेंटीना व ब्राजील में यह लाभकारी रही है।

परंतु GEAC द्वारा पर्याप्त सहसंवाद और व्यापक परामर्श के बाद ही इसे व्यवहार में लाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. India's price intervention policies to support its agricultural sector not only create a broken system but also complicate matters related to international trade rules. Critically discuss. **(150 words) 10**

अपने कृषि क्षेत्र का समर्थन करने के लिए भारत की मूल्य हस्तक्षेप नीतियां न केवल एक अप्रभावी व्यवस्था का निर्माण करती हैं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों से संबंधित मामलों को भी जटिल बनाती हैं। समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

भारत में कृषि क्षेत्र का उच्च मानवीय मूल्य है। अतः सरकार द्वारा इसमें पर्याप्त विकासात्मक के साथ मूल्य हस्तक्षेप नीतियाँ भी अपनाई जाती है।

जैसे-
- फसलों का MSP निर्धारण
- खरीद कोटा निर्धारण
- उर्वरक सब्सिडी संबंधी नीतियाँ
- कृषि सब्सिडी आदि।

मूल्य हस्तक्षेप नीतियों की अप्रभाविता -

(i) बाजार में खाद्यान्न आपूर्ति में कमी से खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि।

(ii) आर्थिक सर्वे 2019-20 के अनुसार आवश्यक वस्तु अधिनियम इस संदर्भ में बाजार को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

(iii) भण्डारण में कमी से ही रह अनाज का उपयोग नहीं हो पाता है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे
→ WTO में कृषि सब्सिडी संबंधी विवाद में भारत की आलोचना
→ USA द्वारा भारत पे अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति को प्रभावित करने का आरोप।
→ घरेलू उत्पादक, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा हेतु सक्षम नहीं बन पाते।

भारत का पक्ष
देश में कृषक दशा सुधार हेतु
खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु

यद्यपि कृषि सुरक्षा महत्वपूर्ण है परंतु बाजार में अनुचित हस्तक्षेप कृषक लाभ को भी बाधित करता है।
नीति आयोग एवं अशोक दलवई समिति ने इस संदर्भ में उदारीकरण के सुझाव दिए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. India has an opportunity to become a leading global food supplier provided it has an efficient supply chain and the right marketing strategies. Elucidate. **(150 words) 10**

भारत के पास एक अग्रणी वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता बनने का अवसर है बशर्ते उसके पास एक कुशल आपूर्ति श्रृंखला और सही विपणन रणनीति हो। विशदीकरण कीजिए।

भारत की भौगोलिक और व्यावसायिक विविधता इसे खाद्य क्षेत्र में भी वैविध्यपूर्ण बनाती है। अतः भारत में खाद्य आपूर्तिकर्ता बनने की असीम संभावनाएं है।

संभावनाएँ
- → अनेक फसलों के उत्पादन में अग्रणी (चाय, कॉफी, गन्ना, केला आदि)
- → खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में सरकार द्वारा प्रोत्साहन
- → पर्याप्त श्रम की उपलब्धता

लेकिन भारत में कुशल आपूर्ति श्रृंखला एवं विपणन संबंधी कुछ बाधाएँ मौजूद है-

(i) फसल कटाई तथा किसान-प्रसंस्करण लिंकेज की कमी।

(ii) APMC विसंगतियाँ और विपणन अवसंरचना की कमी।
(iii) इस क्षेत्र में वांछित अनुसंधान व विकास की कमी।

संभावित सुझाव -

① आपूर्ति श्रृंखला संबंधी -
- अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम कनेक्टिविटी को बढ़ावा।
- परिवहन सुधार एवं भण्डारण चैन

② विपणन संबंधी - • ई-विपणन सुदृढ़ करना
- स्टॉकहोल्डिंग सीमा हटाना
- अनुबंध कृषि को बढ़ावा।

इस संदर्भ में सरकार द्वारा किसान संपदा योजना, मेगा फूड पार्क, e-NAM आदि जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Land banks are increasingly gaining prominence in India to encourage land-use efficiency and enable economic growth. In this context, discuss the benefits of a land bank and state the concerns associated with it.

(150 words) 10

भूमि उपयोग दक्षता को प्रोत्साहित करने और आर्थिक वृद्धि को सक्षम बनाने के लिए भूमि बैंक भारत में तेजी से प्रमुखता प्राप्त कर रही हैं। इस संदर्भ में, भूमि बैंक के लाभों तथा इससे संबंधित चिंताओं का उल्लेख कीजिए।

भूमि बैंक का आशय ऐसी संस्था से है जो भूमि के उपयोग संबंधी व्यवहारों का नियमन करती है। इसमें अनेक भूमि खण्डों को एकीकृत कर प्रबंधन किया जाता है।

भूमि बैंक के लाभ -

- भूलेखों का समुचित प्रबंधन।
- छोटी जोतों की समस्या का संभावित हल।
- भूमि उपयोग की दक्षता में वृद्धि कर आय के स्रोत में रूपान्तरण।
- अतिक्रमण जैसी समस्याओं के हल के रूप में।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• कलस्टर आधारित विकास की अवधारणा देने में सहायता।

संबंधित चिंताएँ

(i) पर्याप्त एवं अद्यतित भू-अभिलेखों का अभाव।
(ii) भारत में वांछित प्रगति की कमी।
(iii) सामाजिक-जातिगत विभेद के चलते भूमि एकीकरण में बाधा।
(iv) इस संबंध में जागरूकता की कमी।

भूमि बैंक के संदर्भ में सरकार का दृष्टिकोण सकारात्मक है। यह भूमि सुधारों की दिशा में अगला कदम हो सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Desertification has been described as one of the greatest environmental challenges of our time and climate change is making it worse. Discuss.

(150 words) 10

मरुस्थलीकरण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है तथा जलवायु परिवर्तन इसे और बदतर बना रहा है। चर्चा कीजिए।

UNCCD के अनुसार मरुस्थलीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें भूमि निम्नीकरण और हरी-भरी भूमि का बंजर हो जाना शामिल है।

पर्यावरणीय चुनौती के रूप में मरुस्थलीकरण

- स्थानीय पारिस्थितिकी का ह्रास।
- जैव विविधता एवं पर्यावास क्षति।
- कृषि संबंधी भूमि का नाश → इससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित
- मानवीय स्वास्थ्य और जीवन शैली पर नकारात्मक प्रभाव।

जलवायु परिवर्तन का मरुस्थलीकरण पर प्रभाव →

(i) वैश्विक तापन ने मरुस्थलीकरण की दर को तीव्र किया है (IPCC)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों में कमी के संकेत।

(iii) वर्षा संबंधी वितरण में बदलाव से मरुस्थलीकरण और अधिक बढ़ जाता है।

यह भी ध्यान रखना चाहिए की मरुस्थलीकरण की कोई स्वाभाविक सीमाएँ नहीं होती। भूमि का अवैध उपयोग, निरंतर वनोन्मूलन और प्रदूषण एवं उत्सर्जन जैसे सभी मानवजनित कार्य भी मरुस्थलीकरण को बढ़ावा देते है।

भारत में भी मरुस्थलीकरण की समस्याओं में बढ़ावा मिल रहा है इस संदर्भ में न्यू दिल्ली घोषणापत्र पर तीव्र कार्यवाही की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. In the context of intellectual property rights, discuss the advantages and disadvantages of releasing projects under an 'Open Source' license. **(150 words) 10**

बौद्धिक संपदा अधिकारों के संदर्भ में, 'ओपन सोर्स' लाइसेंस के तहत परियोजनाओं को जारी करने के लाभ और हानियों पर चर्चा कीजिए।

बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) ऐसे अधिकार है जो किसी व्यक्ति द्वारा अपनी बौद्धिक उपज पर प्राप्त होते हैं।

वर्तमान आवश्यकताओं (विशेष स्वास्थ्य के संदर्भ में COVID-19) के संदर्भ में विभिन्न ओपन सोर्स कार्य योजनाएं चलायी जा रही है। ओपन सोर्स का आशय है किसी बौद्धिक संपदा के निर्माण व उत्पादन संबंधी जानकारी को साझा करना।

ओपन सोर्स परियोजनाओं के लाभ-

- कम समय में अधिक उत्पादन एवं आवश्यकता पूर्ति।
- परस्पर समन्वयन से तकनीकी दक्षता

• जीवन रक्षक दवाओं का मानवीय उपयोग जैसे - कैंसर के संदर्भ में।

संबंधित चिंताएं

(i) IPR की पायरेसी की समस्या।

(ii) IPR का अवैध उपयोग संभव जिससे आर्थिक व मानवीय हानि की संभावना।

(iii) विनियमन संबंधी मुद्दे।

हालांकि वर्तमान दौर में कोयला मोर्स परियोजनाएं लाभकारी है भारत भी इस दिशा में बढ़ रहा है लेकिन इनसे संबंधित मुद्दों को हल किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. "Indian space sector has been dominated by a single umbrella of government and government institutions." In light of the statement, discuss the significance of Indian Space Association in providing an impetus to space technology in India. **(150 words) 10**

"भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्रक पर सरकार की एकमात्र संस्था का प्रभुत्व रहा है।" इस कथन के आलोक में, भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन प्रदान करने में भारतीय अंतरिक्ष संघ के महत्व की विवेचना कीजिए।

भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र में सरकार की भूमिका एकमात्र रूप में है। सरकार ही अंतरिक्ष में उपयोग, निवेश और प्रक्षेपण में भूमिका निभाती है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ही भारतीय अंतरिक्ष संघ (ISA) की स्थापना की गई थी।

ISA के कार्य:
- अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रगति के अवसर योजना।
- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का विकास
- सरकार को सलाह एवं रिपोर्ट
- अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

निवेश को भी आकर्षित करना।

ISA का महत्त्व →

(i) प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास में सहयोग। (SLV, PSLV आदि)

(ii) अंतरिक्ष शोध व अनुसंधान गतिविधियों का संचालन।

(iii) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के संदर्भ में ISRO से सलाह-समन्वय एवं सहयोग।

(iv) महत्त्वपूर्ण कार्यों के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।

वर्तमान में ISA द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी निवेश के महत्त्व पर भी बल दिया जा रहा है। ISA इस दिशा में अनुसंधान के अग्रणी संस्थान है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Man and machine both have an important role in national security and making urban areas secure. In this context, discuss how technology is a major stakeholder in addressing the internal security challenges of India.
(150 words) 10

राष्ट्रीय सुरक्षा और शहरी क्षेत्रों को सुरक्षित बनाने में मानव और मशीन दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि प्रौद्योगिकी किस प्रकार भारत की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में एक प्रमुख हितधारक है।

राष्ट्रीय सुरक्षा किसी देश की नीति का महत्वपूर्ण एवं अभिन्न अंग है। वर्तमान में बढ़ते शहरीकरण के कारण शहरी सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों महत्वपूर्ण है यह सुरक्षा मानव के साथ-साथ मशीनों द्वारा भी सुनिश्चित कर सकती है।

आंतरिक सुरक्षा में प्रौद्योगिकी की भूमिका

(i) बेहतर निगरानी हेतु 24x7 सर्विलांस कैमरों जैसे दिल्ली में, सीमावर्ती क्षेत्रों में)

(ii) इन्फ्रारेड, मोशन सेंसर, थर्मल सेंसर आदि द्वारा शहरों में चोरी एवं सीमा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर अवैध घुसपैठ आदि को रोका जा सकता है।

(iii) AI, ICT और IOT द्वारा साइबर स्पेस के साथ सोशल मीडिया की निगरानी।
हेट स्पीच, डीप फेक जैसे मुद्दों से हल।

(iv) आर्थिक अपराध जैसे मनी लॉन्ड्रिंग आदि की बेहतर निगरानी संभव।

इस हेतु बेहतर तकनीकी अवसंरचना, तकनीकी कुशल कार्मिक और पर्याप्त वित्त पोषण की आवश्यकता है।

वर्तमान डिजिटल अर्थव्यवस्था और साइबर वॉरफेयर के युग में यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है इसलिए भारत में CERT-In जैसे निकायों को सशक्त करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. National Security Guard (NSG) has emerged as a formidable force equipped to handle various manifestations of terrorism. Discuss the mandate and achievements of this force. **(150 words) 10**

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) एक पराक्रमी बल के रूप में उभरा है जो आतंकवाद के विभिन्न रूपों से निपटने के लिए सुसज्जित है। इस बल के अधिदेश और उपलब्धियों की विवेचना कीजिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) गृहमंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में एक राष्ट्रीय सुरक्षा बल है।

NSG भारत में महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ आंतरिक व बाह्य चुनौतियों ~~की~~ से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

NSG बल के अधिदेश -

- सर्व सुरक्षा का भाव।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के कर्तव्य को परम सम्मान।
- चुनौतियों का कुशल निपटान और हानि से सुरक्षा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

NSG बल की उपलब्धियाँ –

(i) महत्वपूर्ण व्यक्तियों जैसे प्रधानमंत्री आदि की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल भूमिका।

(ii) मुंबई हमले के दौरान आतंकियों से निपटना।

(iii) सेना के महत्वपूर्ण कार्यों जैसे विभिन्न ऑपरेशन्स में सहयोग।

(iv) देश में आंतरिक सुरक्षा व उत्तर-पूर्व में उग्रवाद से निपटने में विश्वसनीय भूमिका।

NSG बल भारत के सुरक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. What do you understand by asset monetisation? Why is it needed in India? In this context, discuss the issues that need to be addressed for the National Monetisation Pipeline to succeed. **(250 words) 15**

परिसंपत्ति मुद्रीकरण से आप क्या समझते हैं? भारत में इसकी आवश्यकता क्यों है? इस संदर्भ में, उन मुद्दों पर चर्चा कीजिए जिन्हें राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन के सफल होने के लिए समाधान करने की आवश्यकता है।

परिसंपत्ति मुद्रीकरण से तात्पर्य है वर्तमान उपयोग से बाहर एवं अनुत्पादक परिसंपत्तियों का मौद्रिक उपयोग सुनिश्चित करना।

जैसे - अनुपयुक्त भूमि के टुकड़े को लीज पर देना आदि।

भारत में इसकी व्यापक संभावनाओं को देखते हुए हाल ही में राष्ट्रीय (NMP) मुद्रीकरण पाइपलाइन का प्रारंभ किया है। इसका उद्देश्य अनुपयुक्त और अनुत्पादक परिसंपत्तियों के उपयोग से राजकोष में बढ़ोतरी करना है।

NMP से संबंधित लाभ-

- सरकार की आय में वृद्धि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- लैंड बैंक बैंकिंग में कमी
- कानसेन्सस आधार हेतु भिन्न की प्राप्ति
- निवेश बढ़ाने का माहौल।

NLMP की सफलता हेतु निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान किया जाना आवश्यक है -

(i) भारत में अपर्याप्त भू-अभिलेख और भूमि के अभिग्रहण संबंधी समस्या।

(ii) सरकारी कार्यालयों और उपक्रम संस्थानों के पास उपलब्ध अत्यधिक विशाल भूमि।

(iii) वर्तमान निजी निवेश में कमी की समस्या।

(iv) बेचने बनाम मुद्रीकरण के अर्थ को स्पष्ट कर जनता एवं विपक्ष को विश्वास में लेना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(v) आवश्यक एवं लाभकारी उद्यमों से समझौता ना करना आदि।

सरकार के अनुसार NMP से 6 लाख करोड़ तक के निवेश की संभावना है। इसके लिए सरकार को पर्याप्त निगरानी, कम विलंब और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को भी संबोधित करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. What is social stock exchange (SSE)? Discuss the need for setting up of SSEs and key challenges in their effective implementation. **(250 words) 15**

सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) क्या है? SSEs की स्थापना की आवश्यकता और उनके प्रभावी कार्यान्वयन में विद्यमान प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

हाल ही में सरकार द्वारा सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) की शुरुआत की गई है। इसके प्रबंधन का दायित्व SEBI को सौंपा गया है।

सोशल स्टॉक एक्सचेंज में समाज हेतु उपयोगी और लाभकारी कार्यक्रमों, योजनाओं और संस्थानों में निवेश किया जाता है।

SSEs की स्थापना की आवश्यकता -

(i) सामाजिक विकास और आर्थिक संवृद्धि को परस्पर समायोजित करना।

(ii) सामाजिक विकास संबंधी योजनाओं की उपादेयता को बढ़ाना।

(iii) भारत में सामाजिक सुरक्षा के व्यापक विस्तार हेतु।

(iv) वैज्ञानिक विकास का लाभ समाज हेतु सुनिश्चित करने हेतु।

(v) सरकार की वित्तीय व्यावहारिकताओं में वृद्धि के लिए।

SSEs के कार्यान्वयन में चुनौतियाँ –

- मानकों की स्पष्टता से जुड़े मुद्दे (जैसे परिभाषा, निवेश के सीमा व प्रकार)
- निजी निवेश को आकर्षित करने की समस्या।
- सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के बारे अवधारणा
- योजनाओं के क्रियान्वयन की समस्या।
- पर्याप्त तकनीकी व कौशल का अभाव

(iv) उक्त संदर्भ में रुचि व जागरूकता की कमी।

सरकार का मत है कि सोशल स्टॉक एक्सचेंज भारत में समावेशी विकास हेतु व्यापक महत्व रखता है। इससे संबंधित मुद्दों का समाधान करके इसके लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. In the context of India, highlight the importance of agriculture extension. What are the challenges faced in provisioning of agriculture extension services? How does the National Mission on Agricultural Extension & Technology (NMAET) address these issues? **(250 words) 15**

भारत के संदर्भ में, कृषि विस्तार के महत्व पर प्रकाश डालिए। कृषि विस्तार सेवाओं के प्रावधान में सामना की जाने वाली चुनौतियां कौन-सी हैं? कृषि विस्तार और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन (NMAET) इन मुद्दों का कैसे समाधान करता है?

भारत में कृषि क्षेत्र सर्वाधिक व्यापक विस्तार रखता है। यह खाद्य सुरक्षा के साथ आधी आबादी की आजीविका का स्रोत है।

कृषि विस्तार का आशय कृषि की लाभकारीता, उपादेयता और उसके सामाजिक प्रभाव में बढ़ोतरी से है।

कृषि विस्तार का महत्व-

(i) खाद्य सुरक्षा तक सभी की पहुँच।

(ii) उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि

(iii) भूमि व मृदा संबंधी अनुकूल उपयोग।

(iv) विकास पथ के असंतुलन को कम करने में सहायक।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कृषि विस्तार सेवाओं के संदर्भ में चुनौतियाँ -

(i) सरकारी योजनाओं का लचर क्रियान्वयन।

(ii) भूमि व मृदा स्वास्थ्य का ह्रास

(iii) सीमित मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी उपयोग।

(iv) भारत में कृषि जलवायु के प्रति अत्यधिक संवेद्यता।

इस संदर्भ में कृषि विस्तार और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन (NMAET) निम्नलिखित रूप से लाभकारी हो सकता है -

(i) कृषि में प्रौद्योगिकी समावेश से

- फसल पैटर्न का विश्लेषण
- मृदा व भूमि निगरानी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• फसल संबंधी रोगों की निगरानी

(ii) किसानों की आय में बढ़ोतरी और अनुबंध कृषि को बढ़ावा

(iii) कृषि संबद्ध क्षेत्रों जैसे पशुपालन व मत्स्यपालन etc. को भी बढ़ावा

(iv) फसल वर्गीकरण और विपणन में आसानी।

सरकार द्वारा 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने का लक्ष्य लिया गया है। इसमें ~~——~~ कृषि विस्तार और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन की निर्णायक भूमिका हो सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Clearly delineate the 'employment problem' that India currently faces. Also, explain the fundamental reasons behind existence of this problem. **(250 words) 15**

भारत वर्तमान समय में जिस 'रोजगार समस्या' का सामना कर रहा है, उसे स्पष्ट रूप से निरुपित कीजिए। साथ ही, इस समस्या के अस्तित्व के मूल कारणों की व्याख्या कीजिए।

आर्थिक सर्वे 2016-17 के अनुसार भारत में रोजगार उत्पादक कम हो रही है यह आगामी अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा।

भारत में रोजगार समस्या को निम्नलिखित रूपों में देखा जा सकता है -

(i) कृषि क्षेत्र में प्रच्छन्न बेरोजगारी

(ii) आवश्यक तकनीकी कौशल की कमी के कारण। रोजगार मांग में कमी

(iii) औपचारिक क्षेत्र में रोजगारों की कमी।

(iv) अस्थायी एवं अनौपचारिक रोजगार को बढ़ावा। इसमें पर्याप्त स्थिरता और

सुरक्षा का अभाव।

(v) ग्रामीण व शहरी बेरोजगारी की समस्या।

रोजगार समस्या के मूल कारण-

① ऐतिहासिक
- विकास प्रक्रिया का शहरीकरण।
- पंचवर्षीय योजनाओं में पूँजी गहन उद्योगों पर बल दिया जाना।
- आर्थिक एवं क्षेत्रीय विषमता।

② ग्रामीण
- कृषि में बढ़ती अलाभकारीता
- सिंचाई सुविधाओं एवं साख सुविधाओं का अभाव।
- सामाजिक विभेद आदि।

③ शहरी
- पूंजी गहन एवं सेवाआधारित उद्योगों की वरीयता।
- शिक्षित बेरोजगारी की स्थिति
- शहरों का अनियोजित विकास तथा पूंजी की कमी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) अन्य – मनरेगा जैसे रोजगारपरक योजनाओं पर ध्यान न दिया जाना।
– औपचारिक क्षेत्र में रोजगार की कमी से गिग इकोनॉमी की स्थिति बनना।
– भारत में उभरती क्रिप्टो-करेन्सी की स्थितियां आदि

भारत में रोजगार विहिन आर्थिक संवृद्धि की स्थिति से अब रोजगार व संवृद्धि विहिन अर्थव्यवस्था का खतरा बढ़ रहा है।

इस संदर्भ में सरकार द्वारा कौशल विकास और निवेश के माध्यम से स्थायी रोजगार बढ़ाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Although steps have been taken for integrating the dispersed logistics activities of maritime trade, much more needs to be done to make India a maritime powerhouse. Discuss. **(250 words) 15**

हालांकि समुद्री व्यापार की विखंडित लॉजिस्टिक गतिविधियों को एकीकृत करने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं, फिर भी भारत को एक समुद्री पावरहाउस बनाने के लिए और भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

अर्थव्यवस्था, समुद्री विकास एवं व्यापार से व्यापक संबंध रखती है।

भारत का 95% व्यापार समुद्र मार्ग से होता है। साथ ही भारत के पास विशाल तटरेखा होने के कारण समुद्री व्यापार भारत की आवश्यकता व संभावनाओं का क्षेत्र है।

समुद्री व्यापार के संदर्भ में लॉजिस्टिक सुधार हेतु भारत के प्रयास-

(1) सागर माला योजना - इसके तहत तटीय क्षेत्रों को आंतरिक क्षेत्रों से जोड़ सड़क व बंदरगाह अवसंरचना का विकास किया जा रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) रेलवे के संदर्भ में डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर [जैसे- दिल्ली- मुंबई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर (DMIC)]

(iii) तटीय क्षेत्रों में औद्योगिक गलियारों का विकास। (पूर्वी व पश्चिमी क्षेत्रों में)

(iv) समुद्री आयात-निर्यात व माल ढुलाई संबंधी विधियों का सरलीकरण आदि।

भारत की आवश्यकताएं –

(i) भारत में अभी- भी लॉजिस्टिक्स लागत उच्च बनी हुई है (14% ऑफ GDP)

(ii) बंदरगाही अवसंरचना में कमी।

(iii) अभी-भी पर्याप्त कनेक्टिविटी का अभाव।

(iv) प्रतीक्षा समय को कम करने की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आवश्यकता है।

(५) कांडला व JNPT जैसे बंदरगाहों पर बढ़ते भार को कम करने की आवश्यकता है।

हालांकि भारत ने विश्व बैंक के लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस सूचकांक में सुधार किया है परंतु सतत् आर्थिक विकास की स्थिति प्राप्त करने हेतु उपरोक्त आवश्यकताओं को संबोधित करना आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Accounting for natural capital and ecosystem services is crucial to understand the link between the economy and environment. Discuss with specific references to India's initiatives in this regard. **(250 words) 15**

अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के मध्य संबंध को समझने के लिए प्राकृतिक पूंजी और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए लेखांकन महत्वपूर्ण है। इस संबंध में भारत द्वारा की गयी पहलों के विशिष्ट संदर्भ के साथ चर्चा कीजिए।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के मध्य परस्पर पूरक एवं सहयोगात्मक संबंध होना चाहिए यही सतत विकास की अपेक्षा है।

सामान्य तौर पर आर्थिक विकास एवं पर्यावरण के मध्य अंतर्विरोध की स्थिति देखी जाती है।

इन दोनों के मध्य संतुलन स्थापित करने एवं और संबंध को समझने हेतु प्राकृतिक पूंजी एवं पारिस्थिति तंत्र सेवाओं के लेखांकन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

भूमिका
- संसाधनों का आकलन करना
- विकास के संभावित प्रभाव का समझना
- पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करना
- पर्यावरणीय संसाधनों की सतता में बनाए रखना

<u>भारत द्वारा इस दिशा में पहलें-</u>

(1) <u>पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA)</u>

इसमें किसी परियोजना के पर्यावरण व पारिस्थिति पर संभावित प्रभाव का आकलन किया जाता है साथ ही यह अनुकूलन व शमन संबंधी उपाय भी सुनिश्चित करता है

(2) <u>क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं</u>

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

योजना प्राधिकरण (CAMPA)।

यह प्रतिपूरक वनीकरण का बाध्यकारी दायित्व आरोपित करता है साथ ही संसाधनों की पुनर्प्राप्ति हेतु प्रयास करता है।

(iii) योजना निर्माण के संदर्भ में विशेषज्ञों की सलाह लेना।

(iv) नागरिक समाज आदि से परामर्श।

(v) पर्यावरण मंत्रालय एवं NGT संबंधी महत्वपूर्ण निर्णयों।

(vi) भारतीय वन सर्वेक्षण, वन्यजीव बोर्डों आदि की समीक्षा संबंधी गतिविधियां आदि।

सतत विकास लक्ष्यों कि प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच सहचारी संबंध स्थापित हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Rapid and unplanned urbanisation accompanied by population growth have increased both the risk and impact of natural disasters. Discuss the statement along with adequate measures to address the relevant concerns in India. **(250 words) 15**

जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ तीव्र और अनियोजित शहरीकरण ने प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम और प्रभाव दोनों को बढ़ा दिया है। भारत में विद्यमान प्रासंगिक चिंताओं के निवारण हेतु यथोचित उपायों के साथ इस कथन की व्याख्या कीजिए।

भारत में जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण एक दूसरे से अंतर्संबंधित है परंतु यह शहरीकरण अनियोजित रूप में हो रहा है

बढ़ते अनियोजित शहरीकरण एवं जनसंख्या वृद्धि द्वारा आपदाओं के

(1) जोखिम में वृद्धि -

- मलिन बस्तियों के विकास से संक्रामक रोगों के प्रसार का खतरा (COVID-19)
- शहरी बाढ़ और शहरी आग की बढ़ती घटनाएँ
- भीड़भाड़ के कारण अवसंरचना हानि और परिवहन संबंधी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इत्यादि हैं।

(2) प्रभाव में वृद्धि -

- उच्च जनघनत्व के कारण आपदा का व्यापक मानवीय प्रभाव।
- महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं जैसे अनुसंधान संबंधी, विशाल आवासीय टावर आदि को क्षति।
- अनियोजित विकास के कारण आपदा पूर्व - आपदा पश्चात और आपदा दौरान प्रबंधन में समस्याएँ।

यथोचित उपाय

(i) शहरी बाढ़ के संदर्भ में मिहिर शाह कमेटी की सिफारिशों पर विचार किया जाए।

(ii) भवनों की अनिवार्य रेट्रोफिटिंग के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

साथ आवधिक अवसंरचना स्वास्थ्य समीक्षा।

(iii) आवासीय योजनाओं का विकास कर मलिन बस्तियों की समस्या का समाधान।

(iv) नियोजित शहरीकरण के संदर्भ में एक समर्पित राष्ट्रीय नीति की आवश्यकता है।

(v) NDMA एवं 2nd ARC के अनुसार शहरी स्थानीय निकायों को पर्याप्त सशक्त किया जाना चाहिए।

अनियोजित शहरीकरण भारत में स्वयं एक आपदा के समान है। SDG-11 की दिशा में प्रयास करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. National Hydrogen Mission can be a game changer for India's rising energy demands. Comment. **(250 words) 15**
भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों के लिए राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन एक गेम चेंजर हो सकता है। टिप्पणी कीजिए।

नीति आयोग के अनुसार 2035 तक भारत में ऊर्जा मांगमें 7 गुना तक बढ़ोतरी होगी।

इसी संदर्भ मे सरकार द्वारा नवीनतम बजट में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की है

गेम चेंजर के रूप में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन -

(i) ऊर्जा की अधिकांश आवश्यकता पूर्ति में सक्षम।

(ii) ऊर्जा संक्रमण के दौर मे भारत के लिए इसे अपनाना आसान।

(iii) हाइड्रोजन ईंधन के संदर्भ मे बढ़ते ज्ञान एव इसकी उपलब्धतामें वृद्धि के प्रयास।

(iv) उत्सर्जन मुक्त ईंधन के रूप में पर्यावरण हितैषी।

(v) वाहन अवसंरचना, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण आदि उद्योगों को गति।

(vi) स्थापना के बाद कोयला निष्कासन एवं आयात लागत की बचत आदि।

हालांकि अब भी इस दिशा में कुछ चुनौतियाँ व्याप्त है -

(i) पर्याप्त अनुसंधान एवं विकास में कमी।

(ii) हाइड्रोजन ईंधन पर भारत में पर्याप्त विश्लेषण और उपलब्धता संबंधी डेटा की कमी।

(iii) अत्यधिक पूंजी निवेश की मांग जबकि अर्थव्यवस्था में मंदी का दौरा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) स्तरीय अवसंरचना और कौशल की कमी।

(v) भारत में प्राकृतिक गैस और और ऊर्जा के संदर्भ में आर्थिक प्रगति व जोखिम।

हाइड्रोजन ईंधन भविष्य में ऊर्जा की अबाध एवं स्वच्छ आपूर्ति में सक्षम है। भारत नेशनल हाइड्रोजन मिशन की दिशा में आगे बढ़कर इस अवसर को प्राप्त कर सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Despite geo-strategic instability of its region and a keen awareness of the cyber threat it faces, India has made only 'modest progress' in developing its policy and doctrine for cyberspace security. Critically examine.

(250 words) 15

अपने क्षेत्र की भू-रणनीतिक अस्थिरता और इसके समक्ष विद्यमान साइबर खतरों के संबंध में व्यापक जागरूकता के बावजूद, भारत ने साइबरस्पेस सुरक्षा के लिए अपनी नीति और सिद्धांत विकसित करने में केवल 'साधारण प्रगति' की है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भारत आंतरिक और बाह्य रक्षा चुनौतियों के संदर्भ में एक क्षवण देश है। इसी के साथ भारत में साइबर सुरक्षा का मुद्दा महत्वपूर्ण हो रहा है।

भारत की साइबर सुरक्षा चुनौतियाँ
- डिजिटल अर्थव्यवस्था की बढ़ती भागीदारी
- बैंकिंग क्षेत्र तथा महत्वपूर्ण अवसंरचना पर बढ़ते साइबर हमले
- साइबर क्षेत्र में भारत में आत्मनिर्भरता का अभाव

भारतीय नीतियों की अपर्याप्तता -

(i) भारत में डिजिटल डिवाइड की स्थिति

(ii) पर्याप्त तकनीकी अवसंरचना तथा तकनीकी कौशल का अभाव। (उदा० तकनीकी व्यक्तियों की तत्काल आवश्यकता)

(iii) CERT-In जैसे महत्त्वपूर्ण निकायों की कम भूमिका व कम संख्या।

(iv) संबंधित एजेंसियों में समन्वय की कमी।

(v) साइबर सुरक्षा रणनीति - 2013 का अद्यतन नहीं।

वर्तमान साइबर युग में साइबर क्षमता पर्याप्त नहीं है। भारत के संदर्भ में यह और भी आवश्यकता है।

प्रमुख सुझाव-

(i) तकनीकी अवसंरचना व कौशल में पर्याप्त निवेश।

(ii) डिजिटल व साइबर साक्षरता को बढ़ावा।

(iii) तकनीकी सेवाओं में साइबर प्रशिक्षण अनिवार्य करना।

(iv) साइबर सुरक्षा नीति का अद्यतन और एक स्वायत्त नियामक निकाय की स्थापना करना।

भारत में साइबर सुरक्षा इसके आर्थिक व सामाजिक स्थिरता हेतु भी आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Developmental interventions alone cannot play a defining role in the resolution of existing and protracted internal conflicts in various parts of India within a reasonable time frame. Discuss. **(250 words) 15**

भारत के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त और दीर्घकाल से जारी आंतरिक संघर्षों को उचित समय सीमा के भीतर हल करने में केवल विकासात्मक हस्तक्षेप एक निर्णायक भूमिका नहीं निभा सकते हैं। चर्चा कीजिए।

भारत में लंबे समय से विभिन्न क्षेत्रों में आंतरिक संघर्ष विद्यमान रहे हैं। इसमें क्षेत्रवाद, अलगाववाद आदि समस्याएं सम्मिलित है।

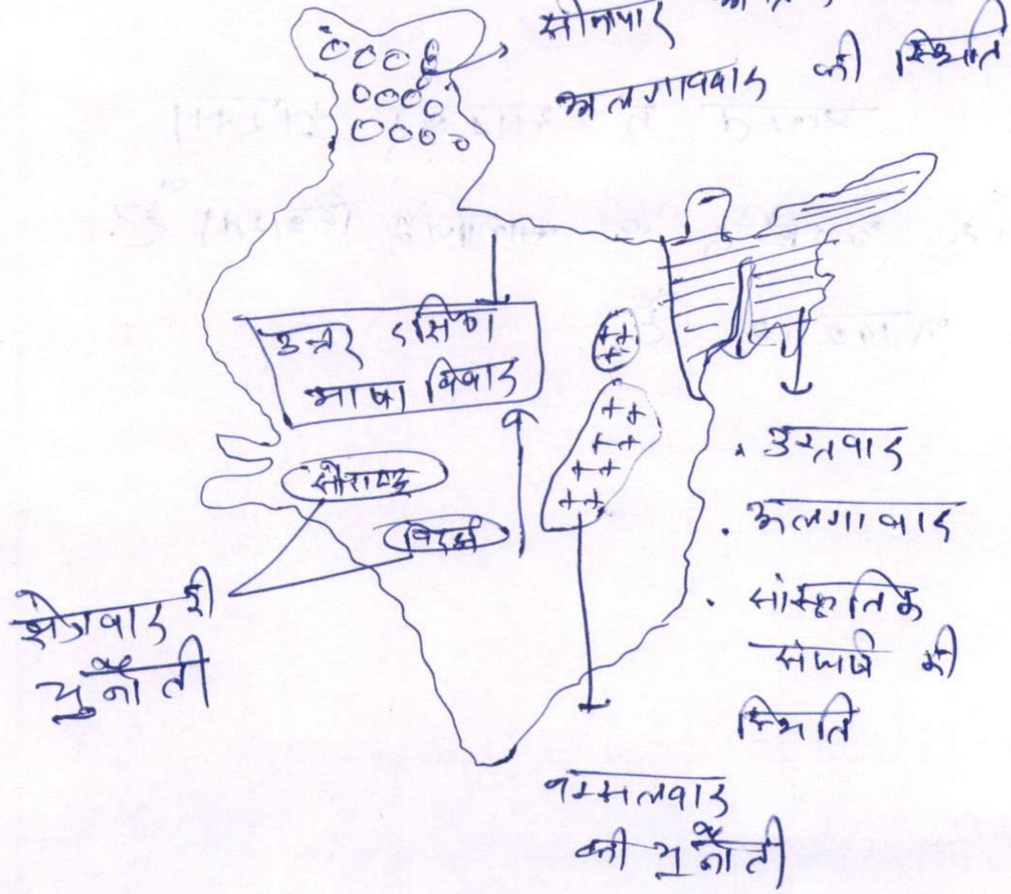

चित्र - भारत में आंतरिक संघर्ष

हालांकि भारत में एन संघर्षों के कारणों को संबोधित करते हुए अनेक विकासात्मक पहलें की है-

(i) उत्तर पूर्व की आर्थिक विकास व आधारसंरचना निर्माण।

(ii) नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आधारसंरचना विस्तार

(iii) सीमा पार उग्रवादियों से निपटने हेतु रक्षा बलों का आधुनिकीकरण आदि।

परंतु इस संदर्भ में केवल विकासात्मक कार्य ही पर्याप्त नहीं है। निम्नलिखित मुद्दों को भी संबोधित किया जाना चाहिए -

(i) AFSPA जैसे कानूनों के संबंध में स्थानीय जनता को विश्वास में लेना।

(ii) उत्तर-पूर्व की विशिष्ट सांस्कृतिक संरचना का सम्मान करते हुए विशिष्ट

योजनाएँ।

(iii) नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक शून्यता को भरना तथा लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध करना।

(iv) कश्मीर जैसे क्षेत्रों के संदर्भ में स्थानीय समुदाय का विश्वास के लेकर सीमा सुरक्षा तक करना (जैसे करगिल युद्ध के समय)

(v) धर्मनिरपेक्ष राज्य एवं क्षेत्रीय स्वायत्तता तथा एक समान ढाँचे को सोचने से बचना।

(vi) राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में रक्षा आधुनिकीकरण आदि।

भारत के आंतरिक संकट बहुआयामी है, अतः इनका समाधान भी बहुआयामी होना चाहिए।